होम | Nov 23, 2024 | लखनऊ | 01: PAGE | Help | सर्च | Reader

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान
1936
सत्य • सार्थक • सदैव
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार
23 नवंबर 2024, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, अष्टमी, विक्रम सम्वत् 2081, लखनऊ

नगर संस्करण • पांच प्रदेश • 24 संस्करण

रूस ने उत्तर कोरिया को सैनिकों के बदले मिसाइलें दीं

गूगल पर आधारित इलाज से मरीज की जान खतरे में

- इलाज से पहले बनाएं मरीज की प्रोफाइल
- एराज मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सम्मेलन

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। गूगल जानकारी का भंडार है। मेडिकल की ढेर सारी जानकारी गूगल पर उपलब्ध है, लेकिन इसका इस्तेमाल मरीज के इलाज पर नहीं किया जा सकता है। यह कहना डॉ. महालक्ष्मी वीएन का है।

शुक्रवार को एराज मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 15वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा सम्मेलन के दौरान कुलपतियों के सम्मेलन हुआ। डॉ. महालक्ष्मी वीएन ने कहा कि डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की क्लीनिकल क्षमता को बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि डाक्टरों को प्रैक्टिस करके सीखना चाहिए न की गूगल से। आज गूगल पर बहुत ज्ञान भरा पड़ा है। लेकिन उसे चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग नहीं किया जा सकता। ऐसा करने से मरीज की जान खतरे में पड़ सकती है। डॉ. थॉमस चेको ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए हर अस्पताल को इलाज के मानक तय करने होंगे। एरा विश्वविद्यालय की उप कुलपति डॉ. फरजाना मेहंदी ने कहा कि हेल्थकेयर और मेडिकल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका बढ़ी है।